उड़ान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

NAAC B++

संरक्षक : प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी

संपादक: डॉ. राजेन्द्र कैड़ा

शिल्प एवं संरचना : विनीत पौडियाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का त्रैमासिक न्यूज़ लेटर

सितम्बर – नवंबर 2022 (आजादी का अमृत-महोत्सव अंक) www.uou.ac.in

कुलपति की कलम से

प्रिय पाठकों ,

उत्तराखण्ड मुख्त विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर 'उड़ान' के नए अंक के साथ विश्वविद्यालय की सक्रिय एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली आप सब के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। आज यहाँ शिक्षार्थियों की संख्या लगभग 1 लाख पहुँच चुकी है। वर्ष 2021-22 विश्वविद्यालय के लिए कई उपलब्धियों से भरा रहा है। ऑनलाइन राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालायें, मौखिकी परीक्षा, प्रायोगिक परीक्षा, पूरक परीक्षा तथा अन्य कार्य सुचारू रूप से सम्पादित किए गए। यद्यपि 2021 का सत्रार्द्ध वैश्विक महामारी कोरोना (COVID-19) से बाधित रहा तब भी विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं अन्य अनुभागों द्वारा निरन्तर कार्य सम्पादन होता रहा।

आज विश्वविद्यालय को स्वयं की गुणवत्ता के क्षेत्र में 'राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद' (NAAC) के द्वारा B++ ग्रेड प्राप्त हुआ जो कि विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इससे विश्वविद्यालय को नई ऊर्जा मिली है तथा अगली बार होने वाली प्रक्रिया के लिए एक उत्साह का सृजन हुआ है। भविष्य में विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि इस ग्रेड को बनाए रखने व मूल्यांकन के स्तर पर अभिवृद्धि प्राप्त करने के निरंतर प्रयास किए जाएँ।

माननीय प्रधानमंत्री जी के ध्येय वाक्य VOCAL FOR LOCAL के अनुगमन में हम निरंतर ACT LOCALLY – THINK GLOBLY के सिद्धांत पर कार्य करते हैं तथा SKILL, RESKILL AND UPSKILL को ध्यान में रखते हुए I N N O V A T I O N (नवाचार), T E C H N O L O G Y (प्रौद्योगिकी) और QUALITY (गुणवत्ता) के माध्यम से शिक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य हेतु प्रयत्नशील हैं।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संस्थान व संगठन के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की उपलब्धि के आधार पर भारत सरकार द्वारा ३ दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के उपलक्ष्य पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपति मुर्मू जी के कर कमलों द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

इसी आधार पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति और प्रेरणा के स्रोत के रूप में अपने शिक्षार्थियों और सहयोगियों की आकांशाओं के अनुरूप कार्य करता रहा है तथा निरंतर करता रहेगा।

मैं 'उड़ान' के नवीन अंक का स्वागत करता हूँ तथा विश्वविद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय उत्तराखण्ड , जय भारत।

(प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)

कुलपति

NAAC से विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ B ++

विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, DEB नई दिल्ली व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से प्राप्त निर्देशों के क्रम में, नैक द्वारा किये जाने मूल्यांकन व प्रत्यायन प्रक्रिया के सम्बन्ध में भरे जाने वाले आवेदन पत्र की तैयारी वर्ष 2019-2020 में शुरू कर दी थी |इस हेतु सम्बन्धित विभागों से डाटा संग्रहण का कार्य व विभिन्न विषयों व विभागों के सम्बन्ध में प्रेषित की जाने वाली लिखित सामग्री की तैयारियों को पूरा किया गया | विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहा कि समस्त प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी कर ली जाए| लेकिन कोरोना महामारी के चलते इस प्रक्रिया में कुछ देरी हुई|

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया है | इस प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा सूचित विभिन्न आपत्तियों का निस्तारण विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा किया गया | इस प्रक्रिया के अगले चरण में Institutional Information for Quality Assessment के स्वीकृत होने की तिथि से 45 दिवसों के भीतर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाने वाली Self Study Report नैक, बंगलुरु को प्रेषित की गई तथा इसे तैयार कर ११ नवम्बर, २०२१ को नैक को प्रेषित कर दिया गया |इसको प्रेषित करने के बाद नैक, बंगलुरु द्वारा Student Satisfaction Survey भेजा गया था जिसे विश्वविद्यालय द्वारा समय पर अपने छात्रों के सहयोग के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया|

अगली प्रक्रिया में उनके द्वारा प्रस्तावित टीम द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण हेतु तीन अलग अलग तिथियों को सुझाने के लिए आग्रह किया गया है | इसके बाद प्रस्तावित टीम द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण हेतु तीन अलग अलग तिथियों को

सुझाने के लिए आग्रह किया गया है | विश्वविद्यालय द्वारा इस संबंध में नैक, बंगलुरु को सुझाई गई तीन तिथियों में से अक्तूबर 12,13 व 14, 2022 की तिथियाँ स्वीकार कर ली गई | इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आधारभूत सुविधाएं जो कि नैक ग्रेडिंग के लिए आवश्यक है उस पर समयबद्ध तरीके से कार्य किया गया |

नैक द्वारा भेजी जानी वाली पीयर टीम में 1. प्रोफ़ेसर अशोक कुमार दास , २. प्रोफ़ेसर. धनञ्जय विट्ठल राव माने 3. प्रोफ़ेसर. कृष्ण कुमार रंगराजालू 4. प्रोफ़ेसर. द्विजेन शर्मा 5. प्रोफ़ेसर परमजीत कौर शामिल थे।

नैकपीयर टीम के समक्ष विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी जी व निदेशक सीका प्रोफेसर आर सी मिश्र जी की प्रस्तुतीकरण के साथ विश्वविद्यालय के सभी विभागों, अनुभागों, क्षेत्रीय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया | अन्तिम दिन पीयर टीम के अध्यक्ष द्वारा अपनी रिपोर्ट माननीय कुलपति जी को सौपी |

नैक पीयर टीम के सदस्यों द्वारा 12.10.2022 को विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं का निरीक्षण किया व संबन्धित विभागों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों व आयोजित गतिविधियों के साथ- साथ संबंधित विद्याशाखा की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जाना |

निरीक्षण के प्रथम दिन ही सम्मानित सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय की कम्प्युटर लैब, कम्यूनिटी रेडियो के साथ ही Crèche का भी निरीक्षण किया | कम्प्युटर लैब में उन्होने विश्वविद्यालय के सर्वर कक्ष के बारे में विभिन्न दस्तावेजों का निरीक्षण किया | कम्यूनिटी रेडियो में संचालित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों व उसकी कार्यप्रणाली के बारे मे जाना| सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए Crèche में बच्चो के लिए उपलब्ध सुविधाओं व कार्यक्रमों को भी जाना|

दिनांक 12.10.2022 को ही नैक पीयर टीम के सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के पुस्तक निर्माण व वितरण अनुभाग का भी निरीक्षण किया | निरीक्षण के दौरान उन्होने संबंधित कार्मिकों से छात्रों को भेजी जाने वाली अध्ययन सामग्री की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी चाही | उन्होने इस संबंध में पुस्तकों के प्रिंट होने से लेकर छात्रों को वितरित करने तक की प्रक्रिया भी जानी |

दिनांक 12.10.2022 को ही सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया | पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों के रखरखाव व छात्रों व शोध छात्रों को उपलब्ध सुविधायों के बारे में भी जाना |

12.10.2022 व 13.10.2022 को सम्मानित सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय के आदर्श अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र व हल्द्वानी व रुद्रपुर में संचालित अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण किया व वहाँ पर छात्रों को उपलब्ध की जाने वाली छात्र सहायता व सुविधाओं के बारे में जाना |

इसके पश्चात् Self Study Report के निरीक्षण व पीयर टीम द्वारा जमा की गई रिपोर्ट के आधार पर विश्वविद्यालय को B++ग्रेड मिला जो कि विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है | इससे विश्वविद्यालय को नई ऊर्जा मिली है तथा अगली बार होने वाली प्रक्रिया के लिए एक उत्साह का सृजन हुआ है | भविष्य मे विश्वविद्यालय का प्रयास रहेगा कि इस ग्रेड को बनाए रखने व A ग्रेड प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यवाही व प्रयास किए जाएँ |

Name of the Institution: UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
Type of the Institution: Open Distance Learning (ODL) Universities
Dates of Visit: 12 - 10 - 2022 to 14 - 10 - 2022

No	Criteria	Weightage (W_i)	Criterion-wise weighted Grade Point ($CrWGP_i$)	Criterion-wise Grade Point Averages ($CrWGP_i / W_i$)
1	Curricular Aspects	140	320	2.29
2	Teaching-learning and Evaluation	245	710	2.9
3	Research, Innovations and Extension	190	376	1.98
4	Infrastructure and Learning Resources	90	265	2.94
5	Learner Support and Progression	96	342	3.56
6	Governance, Leadership and Management	90	304	3.38
7	Institutional Values and Best Practices	100	318	3.18
	Total	$\sum_{i=1}^{7} (W_i) = 951$	$\sum_{i=1}^{7} (CrWGP_i) = 2635$	**2.77**

Institutional CGPA $= \sum_{i=1}^{7} (CrWGP_i) / \sum_{i=1}^{7} (W_i) = 2635 / 951 = 2.77$

Grade: B++

प्रिय पाठकों/ शिक्षार्थियों

'उड़ान' का नया अंक आप सभी के समक्ष रखते हुए मुझे अपार हर्ष और संतोष का अनुभव हो रहा है। प्रत्येक अंक की तरह इस अंक में भी विश्वविद्यालय के गत तीन माहों का लेखा संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया गया है। 'उड़ान' की टीम आप सभी के सुझावों और सलाहों का खुले दिल से स्वागत करती है। आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

स्नेह और आदर सहित।

राजेन्द्र कैड़ा
संपादक 'उड़ान'

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानीको भारत सरकार द्वारा 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के उपलक्ष्य पर सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी को राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संस्थान व संगठन के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की उपलब्धि के आधार पर भारत सरकार द्वारा 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के उपलक्ष्य पर सम्मानित एवं पुरुस्कृत किया गया| उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी को यह पुरस्कार पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य कर रही भारतीय पुनर्वास परिषद में सूचीबद्ध परंपरागत रूप से संचालित 890 शैक्षिक संस्थानों व विश्वविद्यालयों और 15 दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से संचालित विश्वविद्यालय एवं संस्थानों के बीच में से पुनर्वास पेशेवरों के विकास (विशेष शिक्षकों को तैयार करने) हेतु चुना गया है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अपर सचिव श्री एस के महतो, द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का वर्ष 2021 के लिये पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न में सर्वश्रेष्ठ संगठन के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार हेतु चयन किया गया है| ३ दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के उपलक्ष्य पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार जी की उपस्थिति में यह पुरस्कार उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी को दिया गया|

विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक व पाठ्यक्रम समन्वय डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा अवगत कराया गया कि यह पुरस्कार विश्वविद्यालय द्वारा दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास पेशेवरों को तैयार किए जाने हेतु व विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से उनको दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए, और बीएड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम के माध्यम से विशेष शिक्षकों को तैयार किए जाने हेतु जिससे कि दिव्यांग बच्चों के लिए देश में विशेष शिक्षकों की कमी की समस्या दूर हो सके के लिए प्रदान किया गया| विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने वर्ष 2019 में कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विशेष शिक्षा विभाग के नवीन पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण कर पाठ्यक्रम को प्रारंभ किया|

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ पी एस नेगी ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा दिव्यांग जनों के लिए शोध प्रविधि संबंधी राष्ट्रीय कार्यशाला, नई शिक्षा नीति में दिव्यांग जनों की शिक्षा की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार, कोविड काल में दिव्यांजनों के लिए पुनर्वास पेशेवरों को विकसित करने के लिए ऑनलाइन माध्यम से कार्यशाला का आयोजन व समय-समय पर दिव्यांगजनों के लिए उनके शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, पुनर्वास हेतु जागरूकता संबंधी कार्यशाला का आयोजन भी विश्वविद्यालय द्वारा विगत 5 सालों से लगातार किया जा रहा है| साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित वातावरण प्रदान करता है जहां पर दिव्यांगजन बिना किसी बाधा के आवागमन कर सकते हैं उनके लिए सुगम्य मार्ग व शौचालय की व्यवस्था के साथ ही विश्वविद्यालय के छात्र सहायता केंद्र पर दिव्यांग मित्र दिव्यांग विद्यार्थियों की सहायता के लिए सदैव उपस्थित रहते हैं |

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के साथ दृष्टि बाधित लोगों के लिए लगातार नवोन्मेषी क्रियाकलापों का आयोजन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त रुड़की आईआईटी के अंतर्गत संचालित अनुश्रुति अकैडमी फॉर डेफ के सहयोग से मूक बधिर बच्चों के लिए विशेष शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है जिससे कि दृष्टिबाधित एवं मूक-बधिर बच्चों के लिए विशेष शिक्षक के रूप में पुनर्वास पेशेवरों की कमी देश में ना होने पाए| वर्तमान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने मुख्य परिसर हल्द्वानी में एवं देहरादून परिसर में बीएड विशेष शिक्षक पाठ्यक्रमों का संचालन 4 विधाओं बौद्धिक रूप से अक्षम, अधिगम अक्षम, श्रवण बाधित एवं

दृष्टि बाधित विधा में किया जा रहा है| विश्वविद्यालय द्वारा मानसिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए विशेष विद्यालयों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है शीघ्र ही मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा में नवीन पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाना सुनिश्चित किया गया है जिसके लिए भारतीय पुनर्वास परिषद से पाठ्यक्रम संचालन के लिए औपचारिकताएं पूर्ण करने का निर्देश विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ है| विश्वविद्यालय, को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किए जाने पर शिक्षाशास्त्र विभाग के निदेशक प्रो ए के नवीन, विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ रश्मि पंत,
वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल, सीका के निदेशक प्रो आर सी मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया गया|

दिनांक 5 दिसंबर को माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी जी, महामहिम राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह जी व देश के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं हरिद्वार सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक जी द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के उपलक्ष्य में प्रसन्नता व्यक्त की गई व दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण व पुनर्वास सम्बंधी कार्य करने के लिए और अधिक अपेक्षा भी की गई.

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM

TOLL FREE
18001804025

/uoulive
/uoulive

UOU APP GET IT ON Google Play

Hello Haldwani 91.2 FM GET IT ON Google Play

मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह 2022

मनोविज्ञान विभाग द्वारा 10 अक्टूबर 2022 मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसे पूर्व छात्र संगोष्ठी के रूप में मनाया गया कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन मनोविज्ञान विभाग के चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र डॉ. आशीषआर्या, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर, गुरुकुलकांगरी हरिद्वार एवं डॉ. ऋतु नरुला एकेडमिक काउंसलर,पब्लिक स्कूल रुदपुर द्वारा किया गया| वक्ता के रूप में विभाग के 2019 बैच के श्री उत्तम सिंह जंतवाल, श्रीमती नीलम थपलियाल, प्रधानाध्यापक एवं मनोवैज्ञानिक काउंसलर,डी.पी. एस ऋषिकेश, श्री के.सी.पांडे, AAO, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस, श्री मिथिलेश कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संवाद किया गया| कार्यक्रम में लगभग 65 लोगों ने प्रतिभाग किया|

सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजक डॉ. सीता द्वारा वक्तागण एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया तत्पश्चात डॉ.गिरिजा प्रसाद पांडे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों के बारे में विशेषकर समाज में वरिष्ठ नागरिकों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके अकेलेपन, तनाव आदि मुद्दों के बारे में कार्य करने का आग्रह किया साथ ही उभरते मानसिक मुद्दों पर चिंता जाहिर की| मनोविज्ञान के शिक्षार्थियों के इस आयोजन की सराहना करते हुए उन्हें समाज के वंचित वर्ग के लिये कार्य करने हेतु प्रेरित किया|

श्री उत्तमसिंह जंतवाल ने उद्योग के क्षेत्र में मनोविज्ञान के महत्त्व की जानकारी देते हुए कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों के बारे में चर्चा की| श्रीमती नीलम थपलियाल ने परामर्श के महत्त्व की जानकारी देते हुए कर्मचारियों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों के बारे में चर्चा की| श्रीके.सी.पांडे द्वारा आर्मी के क्षेत्र में मनोविज्ञान के महत्त्व की जानकारी तथा मनोविज्ञान के क्षेत्र में करियर की सम्भावनाओं के बारे में जानकारी दी| श्री मिथिलेश कुमार ने आधुनिकीकरण का मानव जीवनव मानसिक स्वास्थय पर प्रभाव पर चर्चा की साथ ही इसके उचित अनुचित मूल्यों के बारे में प्रतिभागियों को सचेत किया|

समाज में व्यक्तियों की अंतर्क्रिया व संचार कौशल के बारे में चर्चा की एवं व्यवहार के सकारात्मक तरीकों के बारे में जानकारी दी| कार्यक्रम में समाजविज्ञानविद्याशाखा के निदेशक डॉ.गिरिजा प्रसाद पांडे, मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. सीता, सहायक आचार्य डॉ. रुचि, भाग्यश्री, डॉ ललित, विनीता पंत एवं बिभाग के वर्त्तमान एवं पूर्व शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया|

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह - 2022

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा 01-02 अक्टूबर 2022 को रचनात्मक लेखन कार्यशाला एवं गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन के पहले चरण में रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक आचर्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने रचनात्मक लेखन पर केन्द्रित अपने वक्तव्य में कहा कि रचनात्मक लेखन और लेखन में मूलभूत अंतर लेखन के शिल्प और संरचना के स्तर पर घटित होता है। हरेक लेखन को ना रचनात्मक कहा जा सकता है और ना ही हरेक लेख रचनात्मक हो सकता है। गांधी ने जिस भाषा की वकालत आजादी के समय में की उसे आज संरक्षित करने की आवश्यकता है।

अगले वक्ता के तौर पर झाँसी महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. शिव प्रकाश ने कहा कि आज के समय में चिट्ठियों को बचाना हरेक मनुष्य का दायित्व है। आज संचार माध्यम और अभिव्यक्ति के अनेक माध्यम ने इतनी तरक्की कर ली है कि हमारी सम्वेदना वाचिक होती गयी है। हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनिल कार्की ने कहा कि आज जब सभी ओर एक ही जैसे होते जाने का दबाव बनता गया है, वैसी स्थिति में रचनात्मक लेखन व्यक्तित्व के बहुआयामिता के साथ जुड़ता है। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र कैडा में कहा कि गांधी जयंती के पूर्व संध्या पर यह कार्यशाला गांधी के विचारों को समझने का पुनर्परिप्रेक्ष्य पैदा करती है। आज गांधी के इस देश में गांधी एकमात्र ऐसे विकल्प हैं जिनके विचारों के साहचर्य में ही इस देश को समझा जा सकता है। कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य कुमार मंगलम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक साथी एवं समस्त कार्मिक साथी उपस्थित रहे।

आयोजन के दूसरे चरण में गांधी जयंती व्याख्यान का आयोजन 02 अक्टूबर 2022 को किया गया। इस वर्ष के इस अतिथि व्याख्यान की आमंत्रित अतिथि मानविकी विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेणु प्रकाश थीं। उन्होंने अपने वक्तव्य में गांधी जी के सामाजिक चिन्तन को प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि गांधी हमारे मानसिक एवं सामाजिक संरचना के आधारभूत स्तम्भ है। नये भारत को आज बगैर गांधी के कल्पित नहीं किया जा सकता है। गांधी का मानस भारतीयता का रूपक निर्मित करता है। गांधी के दिखाए स्वप्न को संरक्षित रखना और उस ओर हमारा बढाया गया हमारा एक-एक कदम गांधी के प्रति हमारी असली कृतज्ञता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य एवं माननीय प्रभारी कुलपति महोदय प्रो. आर.सी. मिश्र ने गांधी की आत्मकथा और हिन्द स्वराज को ज्ञान से जुड़े सभी शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक बताया तथा उसे सभी के प्राथमिक पाठ के रूप में उससे गुजरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांधी का चित्त भारतीय था। वे भारतीय परम्परा के वाहक थे। प्रो. मिश्र ने कहा कि गांधी के वैचारिक निर्मिती में भारतीय ज्ञान परम्परा का गहरा असर है। बगैर भारतीय परम्परा एवं दर्शन को जाने गांधी को नहीं जाना जा सकता। गांधी के सभी प्रयोग भारतीय दर्शन के अनुरूप है। स्वागत भाषण एवं विषय प्रवर्तन करते हुए हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजेन्द्र कैडा ने कहा कि आज के समय में गांधी को न जानना भी हमारे समाज पर एक गम्भीर टिप्पणी है। गांधी जयंती का आज का दिन हमारे लिए आत्म-मूल्यांकन का भी दिन भी है। गांधी के स्वप्न के साथ ही भारत के स्वप्न को देखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य कुमार मंगलम ने किया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की कुलसचिव माननीय प्रो. रश्मि पंत ने किया। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गांधी के विचारों को मनुष्य के आत्मिक उन्नयन के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि गांधी जितने भारतीय हैं उतने ही वे वैश्विक हैं। इस अवसर पर आईटीसी विभाग द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति भी दी गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, सभी शैक्षिक साथी एवं समस्त कार्मिक साथी मौजूद रहे। कार्यक्रम के पश्चात् विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं द्वारा सफाई मुहीम भी चलाया गया। इस अवसर पर भारत के सत्यनिष्ठ व यशस्वी प्रधानमंत्री और गांधी के विचारों के सच्चे संवाहक श्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद किया गया। सभी विचारकों ने लाल बहादुर शास्त्री के देश के लिए दिए गए योगदान की चर्चा की एवं उनके व्यक्तित्व को अनुकरणीय बताया। उनके सरल और सहज जीवन से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में उतारने के लिए उपस्थित सभी श्रोताओं का आह्वान किया गया।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की ग्रीष्मकालीन परीक्षा सत्र की परीक्षाओं से संबंधित घोषित परीक्षा परिणाम की सूची ई-मेल के माध्यम से प्रेषित की जा रही है। अन्य शेष परीक्षा परिणामों में कार्य गतिमान है।
- दिनांक 25 सितम्बर 2022 को सम्पन्न हुई बी0एड0 (ODL) का परीक्षा परिणाम दिनांक 11/10/ २०२२ को घोषित किया गया।
- ग्रीष्मकालीन परीक्षा सत्र जुलाई 2022 की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं से संबंधित प्रयोगात्मक परीक्षा /मौखिक परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।
- अक्टूबर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 740 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

5th Vice Chancellor of The Year-2022 Award

The Screening and Selection Committee TOTY-2022 under the chairmanship of Prof. Onkar Singh Hon'ble Vice Chancellor, VMSB Uttarakhand Technical University nominated Prof. O.P.S Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University for the “5th Vice Chancellor of the year-2022 Award. Award was given on 5th September, 2022.

05 सितम्बर 2022, शिक्षक दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान 2022 का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्र ने किया। इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अवकाश-प्राप्त प्रो. एच. पी. शुक्ल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट वक्तव्य देते हुए प्रो. शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय कोई ईंट-गारे का भवन नहीं होता। यह ज्ञान-संवेदना एवं तर्क का खुला आकाश होता है। शिक्षक ना किसी राज्य में रहता है और उसे ना ही कोई सीमा बाँध सकती है। शिक्षक स्वतन्त्र होता है एवं शिक्षा का परिसर एक आजाद ख्याल जगह।आज की शिक्षा बहुत हद तक औपनिवेशिक ज़हनियत का रूपाकार होती है, आज शिक्षा को मानव-मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कार्यकारी कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्र ने कहा कि प्रो. एच.पी. शुक्ल का सम्मान हम सभी का सम्मान है। वे विश्वविद्यालय के अध्यवसायी शिक्षक रहे हैं। उन्होंने यहाँ रहते हुए कई प्रशासनिक एवं अकादमिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने शिक्षा की वर्तमान दिशा से असंतोष जाहिर करते हुए इसे और मूल्य-परक बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज हमें शिक्षक और गुरु के द्वैत को भुला कर पारम्परिक शिक्षा की ओर लौटना चाहिए। हमारी दृष्टि अग्रगामी तभी होगी जब हम अपनी परम्परा से गहरे रूप से संलग्न रहेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की कुलसचिव माननीया प्रो. रश्मि पंत ने एवं कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभाग के प्राध्यापक कुमार मंगलम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अकादमिक सदस्य एवं कार्मिक मौजूद रहे।

हिंदी दिवस समारोह 2022

हिंदी दिवस पर आज उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ विभाग द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने किया। वे अपने

वक्तव्य में माँ, मातृभूमि और मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए हिंदी को भारतीय चेतना का अधरभूमि कहा। उन्होंने कहा कि अन्य भारतीय भाषाओं से हिंदी का अन्योन्याश्रय सम्बन्ध है। हमें अपने सभी कार्यों को अधिकाधिक हिंदी में बरतना चाहिए। आज हिंदी ज्ञान के विविधअनुशासनों के साथ मजबूत पहचान के साथ कदमताल कर रही है। यह कार्यक्रम औपचारिक न होकर हमारे जीवन के साथ रहे। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त कार्मिकों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन व स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र कैड़ा ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के सभी सदस्यों ने एक रेडियो-वार्ता भी किया।

हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र कैड़ा ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए हिंदी की ज्ञान-परम्परा में अनुवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी ने जन भाषा और सम्पर्क भाषा के साथ-साथ राजभाषा का दर्जा तो पा लिया है अब इसे ज्ञान की भाषा बनना है। हिंदी में आज भी मुकम्मल विचार और बेहतरीन ज्ञान-सरणियों की कमी मौजूद है। हालाँकि हिंदी में समाज-विज्ञान और इतिहास में अनुवाद हुए हैं पर यह बहुत कम है। हमें संस्थानिक तरीके से इस ओर ध्यान आकृष्ट करना होगा। विश्वविद्यालय इस ओर बहुत आवश्यक कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रादेशिक भाषाओँ के सह-अस्तित्व के साथ विकसित हुई भाषा है, जिसकी वजह से हिंदी का चरित्र बहुभाषिक है। हिंदी विभाग के डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि अनुवाद के लिहाज से हिंदी का यह साल बहुत बढिया रहा है। पहली बार किसी हिंदी में लिखी कृति को बुकर पुरस्कार मिला है।

इससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के पाठक बढ़ेंगे। हिंदी के साथ उसकी सह-भाषाएं भी सुरक्षित हैं। आजादी के आन्दोलन में हिंदी ने एक जनभाषा की भूमिका निभाई है। इसलिए वह राष्ट्रीय एकीकरण की भी भाषा है।

हिंदी विभाग के कुमार मंगलम ने कहा कि हिंदी दिवस महज औपचारिकताओं का दिन नहीं है। इसे विभागीय औपचारिकताओं में डाले बगैर इस पर बात होनी चाहिए। दरअस्ल में हिंदी का चरित्र देश के चरित्र की तरह है। यह बहुभासिकता के कोख से जन्मी एक विशिष्ट और एकीकृत भाषा है।

विशेष शिक्षा विभाग द्वारा देहरादून में सांकेतिक भाषा से संबंधित कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय सांकेतिक भाषा से संबंधित प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विशेष शिक्षा विभाग के समन्वयक व सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सांकेतिक भाषा का प्रचलन महाभारत काल से चला आ रहा है औपचारिक रूप से पांचवी शताब्दी में यूरोप में इसके संकेत प्राप्त होते हैं भारत में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के योजना में सांकेतिक भाषा के लिए एक अलग विभाग की संरचना की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि आगामी सत्र से विश्वविद्यालय सांकेतिक भाषा पर एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारंभ कर रहा है जिसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद से इस संबंध में पत्राचार कर पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

कार्यशाला में सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण देने के लिए विषय विशेषज्ञ श्रीमती जगदीप कौर ने अपने उद्बोधन में सांस्कृतिक

भाषा के महत्व को स्पष्ट करते हुए बताया कि सांकेतिक भाषा वर्तमान में छात्रों के अध्ययन अध्यापन के लिए बहुत आवश्यक हो गई है और इसके माध्यम से व्यक्ति अपनी भावनाओं को प्रदर्शित कर सकता है। संकेतिक भाषा का प्रशिक्षण सभी के लिये आवश्यक है। प्रतिभागी अविनाश पाटील ने कार्यशाला को बड़ा उपयोगी बताया और इस तरह की कार्यशाला से दिव्यांग जनों की सशक्तिकरण पुनर्वास में कार्यरत व्यक्तियों को सहायता भी मिलेगी। समाज में एक अलग तरह का संदेश सांकेतिक भाषा के द्वारा दिया जा सकता है। प्रशिक्षण में विभिन्न पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिनमें राखी गौर, शशि कला, जन्मेजय अजय कुमार, सुनील नेगी, राहुल, चेत बहादुर थापा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

1-7 सितम्बर, 2022

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष इस सप्ताह में पोषण जागरुकता कैम्प, कार्यशालाएं, पोस्टर/चार्ट प्रयोगिताएं, क्विज, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है इस वर्ष भी विभाग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित कराए गए। इस वर्ष 1 से 7 सितम्बर 2022 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम किये गए:

इस सप्ताह के दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा पोषण के विभिन्न आयामों पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। विभाग द्वारा पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों हेतु एक ऑनलाइन "हेल्दी रेसिपी" प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका शीर्षक था: "पारंपरिक अनाज द्वारा व्यंजन तैयार करना"। पोषण सप्ताह में विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पोषण क्विज भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त एक ऑनलाइन चार्ट / पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। दिनांक 5 सितम्बर 2022 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा गौजाजाली उत्तर, हल्द्वानी ग्रामीण स्थित एक आँगनवाड़ी केन्द्र का भ्रमण किया गया।

दिनांक 6 सितम्बर 2022 को विभाग द्वारा मानपुर पश्चिम के एक विद्यालय देवभूमि अकेडमी में चार्ट / पोस्टर तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

· सप्ताह के अंतिम दिन बाह्य विषय विशेषज्ञों द्वारा आहार एवं पोषण पर व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर उजाला सिग्नस सेन्ट्रल हॉस्पिटल हल्द्वानी की आहार विशेषज्ञ डॉ आशिया कुरेशी तथा डॉ प्रभा बिष्ट, सहा० प्राध्यापक, गृह विज्ञान विभाग, एम० बी० पी० जी० कॉलेज हल्द्वानी, द्वारा पोषण सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर व्याख्यान (zoom link द्वारा) दिए गए।

आत्महत्या रोकथाम जागरूकता सप्ताह

मनोविज्ञान विभाग उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 5 सितंबर 2022 से दिनांक 9 सितंबर 2022 तक आत्महत्या रोकथाम जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जिसमें क्रमश: दिनांक 5 सितंबर 2022को ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया| क्विज में लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभागकिया जिसमें से 50% पुरुष केवल 50% महिलाएं शामिल रहे| आयोजित क्विज काउद्देश्य प्रतिभागियों में आत्महत्या रोकथाम एवं आत्मघाती व्यक्ति से किएजाने वाले व्यवहार के संबंध में जागरूककरना था। इसमेंछात्र-छात्राओं, अध्यापकों आदि ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी सहभागिता दिखाई।

6 सितंबर को जी आई सी,मोतीनगर एवं 7 सितंबर को चंद्रावती तिवारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, धौलाखेड़ा में आत्महत्या रोकथाम जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत मनोविज्ञान विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्र छात्राओं को संबंधित विषय पर जानकारी दी गई। छात्राओं ने भी विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा इस विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। इस मौके पर पोस्टर प्रतियोगिता,कविता वाचन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में 245 किशोरों ने प्रतिभाग किया|

8 सितंबर 2022 को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मोतीनगर एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, धौलाखेड़ा के किशोर छात्र- छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय के सभागार में आत्महत्या रोकथाम पर सुन्दर नाट्य प्रस्तुति दी गई|

9 सितंबर 2022 को विश्वविद्यालयमें ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया मनोवैज्ञानिक जी.जी.डी.एस.डी कॉलेज,चंडीगढ़ की मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. तरुनदीप कौर ने आत्महत्या से संबंधित मनोवैज्ञानिक व सामाजिक पक्षों को सामने रखा।CBSC की काउंसलर व मनोवैज्ञानिक डॉ. कुमुद श्रीवास्तव ने आत्महत्या रोकथाम हेतु साइक्लोजिकल इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने पर बल दिया|

इस अवसर पर ऑफ लाइन माध्यम से समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ.गिरिजा प्रसाद पांडे, मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. सीता, मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रुचि, भाग्यश्री, डॉ ललित, विनीता पंत एवं विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व छात्राएं मौजूद रहे| साथ ही ऑनलाइन माध्यम से डॉ. कुमुद श्रीवास्तव (विशेषज्ञ) डॉ. तरुनदीप कौर (विशेषज्ञ), विश्वविद्यालय से निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा प्रोफे.गिरिजा पाण्डे, प्रोफे.पी डी पन्त, प्रोफे.रेनू प्रकाश, प्रोफे.आशुतोष भट्ट, डॉ. नीरजा सिंह, डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. घनश्याम जोशी, डॉ. दीपान्कुर जोशी, दैनिक जागरण हल्द्वानी के वरिष्ठ संपादक श्री गणेश जोशी, परी संस्था देहरादून की संस्थापक एवं न्यूरोलॉजिस्ट डॉ.सोनाली गुप्ता, पूर्व छात्र डी.एस.बिष्ट,व अन्य शिक्षार्थी उपस्थित रहे|

अन्य अकादमिक गतिविधियॉं

- Participated Four Days Short Term Training Programme (Online) on "Research Paper Writing, IPR and Patent Filing" from 05-08 September, 2022 organized by Mukund Education Society's and Sanmati Engineering College. (Dr. Krishna Kumar Tamta, Dr. Beena Tewari Fulara).
- Successfully participated in one day"IP Awareness/Training program" under National Intellectual Property Awareness Mission on 8th September, 2022 Organized by Intellectual Property Office, India.(Dr. Krishna Kumar Tamta)
- Attended Online Lecture on "Creating Hope through Actions" on the occasion of World Suicide Prevention Day organized by Department of Psychology, School of Social Sciences, Uttarakhand Open University Haldwani, on 9th September, 2022. (Dr. Krishna Kumar Tamta, Dr. Beena Tewari Fulara).
- Participated in the National Seminar on Protecting life on earth on the occasion of Preservation of the Ozone layer organized on 16th September, 2022 by the IGNOU, New Delhi. (Dr. Beena Tewari Fulara, Dr. Krishna Kumar Tamta).
- Participated in photography and quiz completion on the occasion of world Tourism Day organized by Department of Tourism, Uttarakhand Open University on 27th September, 2022 (Dr. Krishna Kumar Tamta).
- Attended one day Online Webinar on "What risks should businesses and industries be most concerned about and how can they best prepare for a greener future and climate transition approach?" under Climate Dialogue Series2022–India organized by Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), GIZ and Avian We–Chase India, on 30th September, 2022. (Krishna Kumar Tamta, Beena Tewari Fulara).
- काउंसिलिंग प्रोग्राम (Counseling Program) : संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग द्वारा शीतकालीन सत्र 2022 में पंजीकृत स्नातक द्वितीय/तृतीय वर्ष (BA-१७/२१), स्नात्कोत्तर (MASL-१७/२०/२१) एवं स्नातक द्वितीय वर्ष FCSL (BA II YEAR FOUNDATION CORES) के शिक्षार्थियों के लिए काउंसलिंग प्रोग्राम (Counseling Program) का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

2022-23 Summer Region wise Students

Region	Total
Dehradun	17145
Roorkee	6114
Pauri	4682
Haldwani	14736
Uttarkashi	5145
Ranikhet	7115
Pithoragarh	2562
Bageshwar	1898
Total	59400

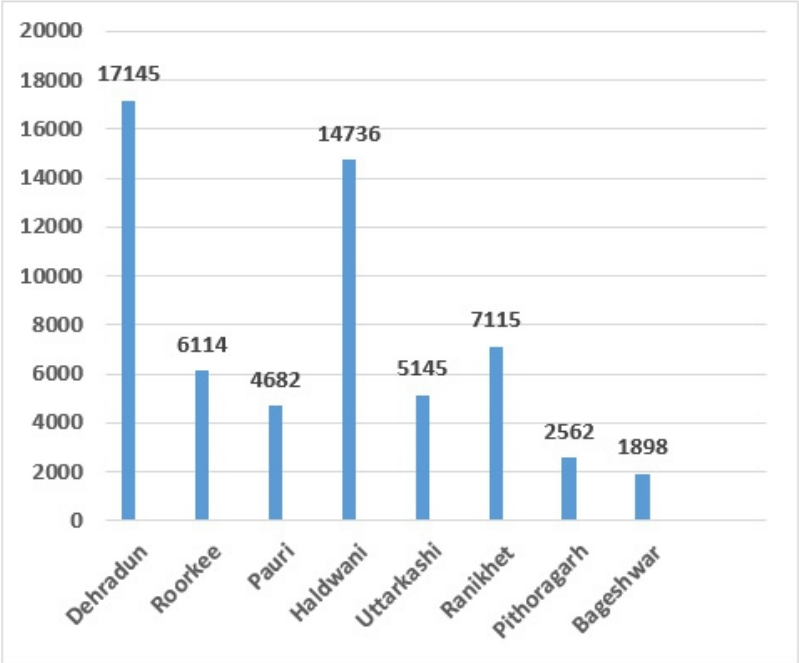

अन्य अकादमिक गतिविधियॉं

- Attended Seminar and Exhibition on – Schoolbooks and related Documents: A journey through Two Centuries by Azim Premji University, on 16th and 17th October 2022. by Ms. Priya Bora
- गोपाल सिंह गौनिया द्वारा दिनांक १७ से २५ तक IGNOU (STRIDE) द्वारा संचालित UGC approved short-term Pprofessional development programme, on "IMPLEMENTATIONS OF NEP-2020 FOR UNIVERSITY AND COLLEGE TEACHERS" Under Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission On Teachers And Teachingमें प्रतिभाग किया।
- Participated in the two days National workshop on "Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building in the Mountain States" from 20th to 21 October, 2022 jointly organized by Dr. R. S. ToliaUttarakhand Academy of Administration, Nainital and National Institute of Disaster Management (NIDM), MHA, Govt. of India, Venue: Dr. R. S. ToliaUttarakhand Academy of Administration, Nainital, Uttarakhand.
- डॉ. ललित मोहन, सहायक प्राध्यापक का "INTEGRATING THE PRINCIPLE OF STRATEGIC HUMAN RESOURCE MANAGEMENT TO IMPROVE ORGANISATIONAL PERFORMANCE" ABDC जर्नल में प्रकाशित किया।
- डॉ. सीता, सहायक प्राध्यापक एवं समन्वयक द्वारा दिनांक 5-6, अक्टूबर 2022 को मनोचिकित्सा विभाग PGIMER, चंडीगढ़ द्वारा REHABILITATION COUNCIL OF INDIA, NEW DELHI के साथ "पब्लिक मेंटल हेल्थ विषय" पर आयोजित continuing rehabilitation education (CRE) programme (Webinar) में प्रतिभाग किया गया।
- Sudhanshu Kumar VermaParticipated in the two days National workshop on "Reducing Risk & Building Resilience: Capacity Building in the Mountain States" from 20th to 21 October, 2022 jointly organized by Dr. R. S. ToliaUttarakhand Academy of Administration, Nainital and National Institute of Disaster Management (NIDM), MHA, Govt. of India, Venue: Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration, Nainital, Uttarakhand.

Uttarakhand Open University

(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय

University Road, Behind Transport Nagar

(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand

Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232